विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-28/06/2020***
वर्ग-पंचम ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
पाठ-8 (हमारे वृक्ष)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने 'हमारे वृक्ष' कहानी का अध्ययन किया। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप अध्ययन-सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ लिए होंगे। आज आपको शेष भाग अध्ययन करना है। जो कि इस प्रकार है:—

नीम का वृक्ष विशाल और घना होता है। इसे सूर्य का प्रकाश भाता है। अतः इसे खुले सस्थान में लगाना चाहिए। इसका वृक्ष छायादार होता है। यह वृक्ष भूमि के कटाव रोकने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। प्राण-वायु ऑक्सिजन उपलब्ध कराने में नीम सर्वाधिक उपयुक्त वृक्ष है। नीम की पत्तियों में भी औषधीय गुण होते हैं। सभी चर्म रोगों में नीम का पत्तियों का उबला हुआ पानी प्रयोग में लाया जाता है। नीम के दातुन करना दाँतों के लिए उपयोगी है। अब तो बाज़ार में नीम 'टूथपेस्ट' और एंटीबॉयटिक' के रूप में भी उपलब्ध है।

नीम के वृक्ष के बारे में यह मान्यता है कि यह वृक्ष जहाँ होता है। वहाँ रोग नहीं पनपते। इसकी सुखी पत्तियाँ जलाई जाएँ टी मच्छर भाग जाते हैं और मलेरिया से बचाव हो जाता है। नीम की सघन छाया व्याकुल पथिक को प्रसन्नचित कर देती हैं। हमें नीम के वृक्ष भरपूर संख्या में लगाने चाहिए।

आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।
बच्चों, दी गयी अध्ययन-सामग्री को पढ़ें तथा समझें।

गृहकार्य :—

पेज नं— 47 में दिए गए वर्तनी वैभिन्य को याद करें।